COURSE :- MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (MLIS)

PAPER :- 2ND

(INFORMATION SYSTEM AND PROGRAMME)

TOPIC :- UNITED NATIONS INFORMATION SYSTEM IN SCIENCE & TECHNOLOGY - UNISIST

(यूनिसिस्ट)

उद्देश्य :- इस पाठ का उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बंधित संस्था की जानकारी प्रदान करना है।

PREPARED BY :- DINESH SINGH, CHIEF COORDINAOR, LIBRARY SCIENCE, NOU

Scanned with CamScanner

यूनिसिस्ट

(United Nations Information System in Science & Technology : UNISIST)

यूनेस्को (UNESCO) एवं इन्टरनेशनल परिषद् ऑफ वैज्ञानिक यूनियन (ICSU) के अन्तर्राजकीय वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी सूचना के सहकारिता के कार्यक्रम को यूनिसिस्ट के नाम से जाना जाता है। साथ ही इसको विश्व विज्ञान सूचना पद्धति के नाम से भी जाना जाता है।

स्थापना (Establishment) :

1964 में 13वें विज्ञान व विश्व मामलों पर आयोजित सम्मेलन जो कि कार्लोवी बेरी, चेकोस्लाविया में हुआ था, में यह बताया गया कि वर्तमान सारकरण सेवायें तथा यांत्रिक संकेतन एवं अनुक्रमणीकरण पद्धतियाँ पृथक्-पृथक् रूप से कार्य कर रही हैं। अतः इस कारण एक रूप में संग्रहीत सूचना का दूसरे रूप में विनिमय नहीं हो पा रहा है। इस कारण सूचना पुनः प्राप्ति की एकीकृत पद्धति को विकसित करने हेतु प्रयास किये गये तथा यूनेस्को व इक्सू (ICSU) को इस कार्य हेतु सर्वाधिक उपयुक्त समझा गया। इक्सू (ICSU) ने 1966 में बम्बई में सम्पन्न हुए 11वें सम्मेलन में यह पारित किया गया कि वैज्ञानिक सूचना के संग्रह तथा पुनर्प्राप्ति से सम्बन्धित वर्तमान तथा भावी कार्यक्रमों के मध्य संगति लाने के लिये विश्व विज्ञान सूचना पद्धति की सम्भावनाओं के परीक्षण हेतु एक समिति का गठन किया गया। लगभग इसी समय यूनेस्को द्वारा विभिन्न संस्थाओं एवं विशेषज्ञों के अनुरोध पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रलेखन तथा सूचना के स्थानान्तरण में सुधार हेतु संचालित ढाँचे सम्बन्धी प्रस्ताव पर विचार करने के लिये एक सम्मेलन यूनेस्को के मुख्यालय पेरिस में 1971 में आयोजित किया गया।

1967 में 13 सदस्यीय यूनेस्को/इक्सू केन्द्रीय कमेटी का गठन हेरिस ब्राउन की अध्यक्षता में किया गया ताकि विश्व विज्ञान सूचना पद्धति की सम्भावना का अध्ययन संयुक्त रूप से किया जा सके। लगभग तीन वर्षों के अध्ययन के बाद 1970 में एक प्रतिवेदन "UNISIST : Study report on the feasibility of a world science information

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

system" प्रकाशित किया गया। इस प्रतिवेदन की रूपरेखा 1971 में प्रकाशित की गई। इस प्रतिवेदन में इसी प्रकार के विश्व विज्ञान सूचना पद्धति की सम्भावना व्यक्त की गई।

यूनिसिस्ट एक विशाल केन्द्र नहीं है और न ही उच्च स्तरीय तन्त्र है बल्कि विकासशील सेवाओं के तंत्र के लिये आवश्यक स्वैच्छिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु एक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य लचीला तथा शिथिलतापूर्वक जुड़ी हुई सूचना सेवाओं का तन्त्र स्थापित करना है। प्रारूप में यह केवल विज्ञान, अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ही कार्यरत था किन्तु 1975 में इसके कार्यक्रम में समाज विज्ञान को भी शामिल किया गया है।

यूनिसिस्ट के सिद्धान्त
(Principles of UNISIST)

विश्व विज्ञान सूचना तन्त्र निम्न सिद्धान्तों पर आधारित है :

1. सभी देशों के वैज्ञानिकों के मध्य प्रकाशित अथवा प्रकाशन योग्य वैज्ञानिक सूचना तथा आंकड़े का विनिमय करना।

2. वैज्ञानिक सूचना के अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय के लिये प्रयुक्त शब्दावली तथा विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों एवं विषयों में विद्यमान अनेक समताओं को समाप्त करने का प्रयास करना।

3. तन्त्र के भीतर प्रकाशित अथवा प्रकाशनीय सूचना तथा आंकड़ों को विनिमय को प्रोत्साहन देना जो कि वैज्ञानिक एवं अभियंताओं को उपयोगी सूचना प्रदान करना।

4. तन्त्र के भीतर वैज्ञानिक सूचना एवं आंकड़ों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने हेतु तकनीकी मानकों का सहकारी विकास एवं रखरखाव।

5. विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों एवं विभिन्न देशों में विकसित सूचना प्रस्तुतीकरण पद्धतियों के मध्य संगतता को बढ़ावा देना।

6. कार्यभार के विभाजन एवं आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में तथा विभिन्न देशों के सूचना तन्त्र के मध्य सहकारी समझौतों को प्रोत्साहन देना।

7. ऐसी विकासशील एवं विकसित राष्ट्रों को सहायता प्रदान करना, जो कि विज्ञान के क्षेत्र में वर्तमान एवं भावी सूचना सेवाओं को प्राप्त करना चाहते हैं।

8. सूचना पद्धति के उपयोग एवं विकास में वैज्ञानिक की बढ़ती हुई साझेदारी विशेष रूप से वैज्ञानिक सूचना संश्लेषण एवं मूल्यांकन में उनका योगदान।

9. भावी सूचना पद्धतियों के नियोजन में वैज्ञानिकों की भांति भावी पीढ़ी का योगदान।

10. विभिन्न केन्द्रों के मध्य एवं भीतर वैज्ञानिक सूचनांक संचरण में प्रशासनिक एवं कानूनी अवरोधों को कम करना।

यूनिसिस्ट के उद्देश्य
(Objectives of UNISIST)

यूनिसिस्ट के निम्न उद्देश्य हैं :

1. इस पद्धति के उपकरणों का सुधार एवं विकास से सम्बन्धित उद्देश्य।
2. सूचना सेवाओं के दक्षता सम्बन्धी उद्देश्य।
3. व्यावसायिक समूहों के उत्तरदायित्व सम्बन्धी उद्देश्य।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

4. संस्थात्मक वातावरण सम्बन्धी उद्देश्य।
5. विकासशील राष्ट्रों की सूचना सेवाओं के विकास हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग।
6. यूनिसिस्ट संगठन सम्बन्धी उद्देश्य।

यूनिसिस्ट का संगठन
(Organization of UNISIST)

यूनिसिस्ट के सभी कार्यों का सुचारु रूप से संचालन हेतु इसके कार्यात्मक ढाँचे को तीन भागों में विभाजित किया गया है :

1. संचालन परिषद् : इस परिषद् में शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कार्यक्रमों को निर्देशित करने व योजना बनाने के लिये 30 सदस्य होते हैं।

2. प्रशासकीय कार्यालय : यह यूनिसिस्ट के स्थाई कार्यालय की भूमिका निभाता है तथा कार्यक्रमों के प्रकाशन एवं बजट के लिये जिम्मेदार होता है।

3. परामर्श समिति : यूनेस्को के डाइरेक्टर जनरल को परामर्श देने तथा यूनिसिस्ट कार्यक्रम के मूल्यांकन का कार्य करता है।

यूनिसिस्ट द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवायें :

यूनिसिस्ट चार प्रकार की सेवायें प्रदान करता है जो इस प्रकार है :

1. सूचना सम्बन्धी नीति व योजनायें बनाने में सहायता देना।
2. मानकों व मापदण्डों के प्रयोग में सहायता देना।
3. सूचना रखरखाव की योग्यता के विकास में सहायता देना।
4. सूचना कर्मचारियों के प्रशिक्षण में सहायता देना।

यूनिसिस्ट के केन्द्र (Centres of UNISIST) :

यूनिसिस्ट में निम्न केन्द्र इसके कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करते हैं :

(i) International Information Centre for Terminology.
(ii) International Serial Data System.
(iii) International Referencial Centre for Information Handing.
(iv) Unisist International Centre for Bibliographic Descriptions.

यूनिसिस्ट की उपलब्धियाँ (Achivements of UNISIST) :

यूनिसिस्ट द्वारा विकासशील देशों के सूचना कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया। यूनेस्को के वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी सूचना एवं प्रलेखन विभाग का यूनिसिस्ट प्रशासकीय कार्यालय के रूप में उपयोग किया गया। इसमें यूनिसिस्ट संचालन परिषद् तथा परामर्श समिति की बैठकों हेतु सचिवालयी सहायता प्रदान की गई।

वियना में यूनिसिस्ट इन्टरनेशनल इन्फोरमेशन केन्द्र फॉर टर्मिनोलॉजी तथा वाइसा में अंग्रेजी के अतिरिक्त वहाँ भाषा पर्याय शब्दकोश का निर्माण में सहायता प्रदान की। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि Broad System of Ordering के विकास की है।

सूचना वैज्ञानिकों तथा उपयोगकर्ताओं का शिक्षण एवं प्रशिक्षण यूनिसिस्ट की एक प्रमुख प्राथमिकता रही है। यूनिसिस्ट की शिक्षण व प्रशिक्षण नीति के विकास हेतु 1975 व 1976 तथा 1978 में शिक्षण एवं प्रशिक्षण नीति कार्यक्रम समिति की बैठक हुई।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

यूनिसिस्ट के प्रकाशन (Publications of UNISIST) :

इस सूचना तन्त्र के निम्न प्रकाशन हैं :

1. UNISIST News Centre, 1972.
2. Education and Training of Users of Scientific and Technical Information : UNISIST guide for Teachers.

इनके अतिरिक्त यूनिसिस्ट द्वारा कई अध्ययन प्रतिवेदन एवं विनिबन्ध प्रकाशित किये जाते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner